UNIVERSITY NEWS 12 FEBRUARY 2025

AMAR UJALA

स्मृति व्याख्यान में प्रो. आईबी सिंह को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में बुधवार को 5वां प्रो. आईबी सिंह स्मृति व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम में बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुपम शर्मा ने क्वाटरनरी अवसादों का भू-रासायनिक चरित्रण विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि प्रमुख व अनुरेख तत्वों तथा समस्थानिक अध्ययनों के जरिये अपक्षय, अवसाद स्रोत और जलवायु टेक्टोनिक संबंधों को समझा जा सकता है। विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने प्रो. आईबी सिंह को श्रद्धांजलि दी। प्रो. एमपी सिंह व प्रो. विभूति राय ने उनसे जुड़ी स्मृतियां साझा कीं। डॉ. शर्मा ने कहा कि बहु-विषयक शोध से ही जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों को समझा जा सकता है। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि: गोद लिए गांवों में होगा बुक रीडिंग कॉर्नर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर समर्पण दिवस के तहत पुस्तक समर्पण कार्यक्रम हुआ। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि विद्यार्थी अब गोद लिए गए गांवों में सामाजिक इंटर्नशिप करेंगे और समुदाय के साथ मिलकर शैक्षिक उन्नयन में योगदान देंगे। उन्होंने शिक्षा को व्यक्तित्व निर्माण और समाज सेवा का माध्यम बताया। कार्यक्रम में बख्शी का तालाब क्षेत्र के भैंसामऊ, मिश्रीपुर, डिंगुरपुर, सोनवां और गाजीपुर गांवों के विद्यालयों के लिए बुक रीडिंग कॉर्नर स्थापित करने के लिए पुस्तकें वितरित की गईं। साथ ही विभिन्न कक्षाओं के 20 मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और पदक देकर सम्मानित किया गया। समाज कार्य विभाग के छात्रों को शिक्षा समर्पण दूत नियुक्त किया गया, जो गांवों में शैक्षिक गतिविधियों की निगरानी करेंगे। इस अवसर पर शोध पत्रिका अंत्योदय के नए अंक का भी विमोचन हुआ। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर पुस्तक समर्पण कार्यक्रम का आयोजन हुआ

दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र निर्माता थे:सैनी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर समर्पण दिवस के अंतर्गत गोद लिए गए ग्रामों में स्थित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन के लिए पुस्तक समर्पण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने कहा कि पंडित जी एक दार्शनिक, राष्ट्र निर्माता थे। शोध पीठ को पंडित जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर पीएचडी करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

AMRIT VICHAR

आयोजन | **लविवि के भूविज्ञान विभाग में आयोजित हुआ स्मृति व्याख्यान**

भूवैज्ञानिक शैलों तक सीमित थे, तब गंगा के मैदान पर हुआ कार्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के भू विज्ञान विभाग में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित भूविज्ञान विशेषज्ञ व अन्य। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में सुप्रसिद्ध भूवैज्ञानिक प्रो. आई.बी. सिंह की स्मृति में स्मृति व्याख्यान-2026 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्वाटरनरी अवसादों का भू-रासायनिक चरित्रणः अपक्षय, स्रोत तथा जलवायु-टेक्टोनिक अंतःक्रियाओं के निहितार्थ" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुपम शर्मा ने "क्वाटरनरी अवसादों का भू-रासायनिक चरित्रणः अपक्षय, स्रोत तथा जलवायु-टेक्टोनिक अंतःक्रियाओं के निहितार्थ" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने कहा कि प्रो. सिंह उन विरले भूवैज्ञानिकों में से थे जिन्होंने उस समय क्वाटरनरी अवसादों, गंगा मैदान तथा नदी प्रणालियों पर कार्य प्रारंभ किया, जब देश में अधिकांश भूवैज्ञानिक कठोर शैलों तक सीमित थे। उनके अनुसंधानों ने भू-आकृति विज्ञान, नदी अवसादन, नव-टेक्टोनिक्स, पुरा-जलवायु तथा पर्यावरणीय परिवर्तनों की समझ को नई दिशा प्रदान की।

इस अवसर पर भूविज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति-कुलपति प्रो. एम.पी. सिंह ने अपने सहपाठी प्रो. आई.बी. सिंह से जुड़ी स्मृतियाँ साझा करते हुए उनके शैक्षणिक एवं शोध योगदानों को स्मरण किया। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. एन.के. पाण्डेय ने विभाग की सराहना करते हुए कहा कि अपने गुरु की स्मृति में इस प्रकार का व्याख्यान आयोजित करना एक अनुकरणीय कदम है। कार्यक्रम में डॉ. अनुपम शर्मा, प्रो. एम.पी. सिंह, प्रो. विभूति राय, डॉ. रत्नेश सिंह चंदेल तथा बिरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिकों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की और अपने विचार व्यक्त किए।

NBT

शिक्षक संघ ने कहा, बढ़े फंड

LU को मिले ₹35 करोड़ से निराशा

■ **NBT रिपोर्ट,लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों के वेतन के लिए इस साल महज 35 करोड़ रुपये बजट में आवंटित किए गए हैं। इससे एक बार फिर प्रदेश सरकार के बजट से एलयू को निराशा हुई है। वर्तमान में एलयू के वेतन पर होने वाला खर्च लगभग 225 करोड़ हो चुका है। इसके लिए शासन की ओर से महज 35 करोड़ ही दिया जा रहा है। ऐसे में

एलयू के शिक्षक संघ की ओर से सरकार से वेतन मद पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है।

विवि के शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ. अनित्य गौरव का कहना है कि एलयू उत्तर प्रदेश का अग्रणी विश्वविद्यालय है । विश्वविद्यालय को सुचारू रूप से चलाने एवं छात्रों को बेहतर शिक्षा एवं बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में अब कठिनाई हो रही है। नए विश्वविद्यालय खोलना एक स्वागत योग्य कदम है लेकिन पुराने विश्वविद्यालय के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक धन की आवश्यकता को भी ध्यान रखा जाता तो छात्रों और बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए बेहतर होता। पिछले 25 साल से एलयू की ग्रांट को शासन की ओर से निश्चित राशि पर फ्रीज कर दिया गया था। तब वेतन कम था, लेकिन अब वेतन आयोग और शिक्षकों की संख्या में इजाफे के बाद एलयू की सारी आमदनी वेतन पर खर्च हो रही है, जिससे विवि के विकास पर खर्च नहीं हो पा रहा है।

AMRIT VICHAR

एकात्म मानववाद सदैव प्रासंगिक

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि के अवसर पर "समर्पण दिवस" का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में स्थित विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन हेतु "पुस्तक समर्पण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 'एकात्म मानववाद' का दर्शन आज भी प्रासंगिक है। समाज कार्य विभाग एवं निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ प्रो. राकेश द्विवेदी ने दीनदयाल उपाध्याय के जीवन और दर्शन पर प्रकाश डालते हुए समर्पण दिवस की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शोध पीठ द्वारा बक्शी का तालाब विकास क्षेत्र के गोद लिए गए ग्राम भैंसामऊ, मिश्रीपुर, डिंगुरपुर, सोनवां और गाजीपुर में स्थित विद्यालयों में विद्यार्थियों के समेकित विकास हेतु "बुक रीडिंग कार्नर" स्थापित करने की पहल करना था।

DAINIK JAGRAN

मैनेजमेंट फेस्ट में विजेताओं को दिए गए पुरस्कार

लखनऊ : लवि के नए परिसर स्थित प्रबंधन विज्ञान संस्थान (आइएमएस) ने दो दिवसीय "मैनेजमेंट जिंग 3.0" (मैनेजमेंट फेस्ट) का बुधवार को समापन हुआ। आइएमएस की ओएसडी प्रोफेसर विनीता काचर ने बताया कि आठ स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसमें ट्रेजर हंट प्रथम दिन के विजेता प्रज्वल सिंह, यश गुप्ता, आदित्य कुमार, आयुष सिंह, श्रेया धनुक रहे। वि.

DAINIK JAGRAN

यह बजट उच्च शिक्षा विशेषकर लवि के लिए चुनौतीपूर्ण है। हमारा वेतन पर होने वाला खर्च लगातार बढ़ रहा है जो लगभग 225 करोड़ हो चुका है। विश्वविद्यालय को सिर्फ 35 करोड़ आवंटन हुआ है। उम्मीद है कि सरकार हमारी मांगों पर पुनर्विचार कर वेतन मद में बढ़ोतरी करेगी।-**प्रो .अनित्य गौरव,** अध्यक्ष, लवि शिक्षक संघ